राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, मंगलवार, 10 मार्च 2026
वर्ष 14, अंक 317, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

11 केवी लाइन की चपेट में आया बंदर, दर्दनाक मौत...03

उत्तम नगर हत्याकांड के आरोपियों पर दिल्ली सरकार की कठोर कार्यवाही सराहनीय- विश्व हिन्दू परिषद...04

क्रूड ऑयल की किल्लत, क्या रूसी तेल भारत को झटके से बचाने के लिए काफी होगा?

●अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीदने की सलाह दी है, जबकि मिडिल ईस्ट में जंग से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल की ईरान के साथ चल रही जंग के बाद मिडिल ईस्ट में कोहराम मचा हुआ है। क्रूड ऑयल की कीमत 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। इस बीच यूएस ने भारत को रूस से तेल खरीदने की बात कही है।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक टेम्परेरी बचाव का रास्ता है और मार्केट में उछाल से हुए आर्थिक झटके पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। अमेरिका की भारत को यह छूट 5 मार्च से 4 अप्रैल तक लागू रहेगी।

भारतीय रिफाइनर को रूस से ऐसे कार्गो लेने की इजाजत है जो नए बैन लगने से पहले ही लोड हो चुके थे और रास्ते थे। इससे भारत के रूस से तेल इंपोर्ट पर लगी 25त्न टैरिफ पेनल्टी से जुड़ी पाबंदियों में ढील मिलेगी।

आंकड़े दूसरी कहानी बयां कर रहे

पहली नजर में यह कदम भारत के लिए राहत की बात लगती है। लेकिन आंकड़े इससे भी कठोर कहानी बयां करते हैं। इकोनॉमिस्ट का कहना है कि छूट के तहत जो रूसी कार्गो फंसे हुए हैं वे भारत की बड़ी एनर्जी जरूरत का बस एक छोटा सा हिस्सा हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रिफाइनर कंपनियों ने 10 मिलियन बैरल से ज्यादा रूसी क्रूड ऑयल खरीदा है। लगभग 15 मिलियन बैरल भारत के समुद्री इलाके में हैं और 7 मिलियन बैरल सिंगापुर के पास हैं, जबकि भूमध्य सागर और स्वेज नहर से गुजरने वाले टैंकर भी भारतीय बंदरगाहों की ओर जा रहे हैं।

अगर यह सप्लाई भी पूरी हो जाती है तो भी यह भारत की भरपाई नहीं कर सकती। एनालिस्ट्स का कहना है, "जो क्रूड ऑयल उपलब्ध है वह भारत की क्रूड ऑयल की मांग का लगभग चार दिन के बराबर है। यहह मददगार तो है, लेकिन गेम चेंजर नहीं है।"

भारत में कितने क्रूड ऑयल का होता है इस्तेमाल?

भारत हर दिन लगभग 5 मिलियन बैरल क्रूड ऑयल इस्तेमाल करता है, जिसका मतलब है कि फंसे हुए कार्गो का तेल उतनी ही तेजी से गायब हो सकता है जितनी तेजी से वह आता है। इस बीच, असली झटका वैश्विक बाजार में दिख रहा है। पिछले हफ्ते तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई, क्योंकि होर्मुज स्ट्रेट से शिपिंग में लंबे समय तक रुकावट की आशंका थी। सोमवार को क्रूड ऑयल की कीमत कुछ समय के लिए 119.46 डॉलर प्रति डॉलर तक पहुंच गई। यह 2022 की शुरुआत के बाद से सबसे बड़ी उछाल थी।

85 प्रतिशत क्रूड ऑयल इंपोर्ट करता है भारत

भारत अपना लगभग 85त्न क्रूड ऑयल इंपोर्ट करता है, उसके लिए खतरा सप्लाई तक पहुंच से कम और इकॉनमी में कीमतों के झटके से ज्यादा है। यूक्रेन युद्ध के बाद रूसी क्रूड ऑयल को भारत ने जमकर खरीदा और एक समय तो यह भारत के इम्पोर्ट का लगभग 35त्न सप्लाई करता था।

फरवरी में रूस ने भारत के हर दिन के 5 मिलियन बैरल के इम्पोर्ट का लगभग 20त्न सप्लाई किया, जबकि दिसंबर 2025 के ऑफिशियल डेटा के मुताबिक यह हिस्सा 25त्न के करीब था। इसका मतलब है कि यह छूट एक लॉजिस्टिक रुकावट को दूर करती है, लेकिन भारत को एक बड़े तूफान से बचाने में ज्यादा मदद नहीं करती।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिसर्च से पता चलता है कि कच्चे तेल की कीमतों में हर 10त्न की बढ़ोतरी से महंगाई लगभग 30 बेसिस पॉइंट्स बढ़ सकती है और जीडीपी ग्रोथ में लगभग 15 बेसिस पॉइंट्स की कमी आ सकती है।

भारत को मिल सकती है कुछ दिनों की राहत

एक हफ्ते में तेल की कीमत पहले ही 20त्न से ज्यादा बढ़ गई है। इसलिए, व्यापक आर्थिक प्रभाव फंसे हुए बैरल से मिलने वाली टेम्परारी राहत को कम कर सकता है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो इस छूट से भारत को कुछ दिनों की राहत मिल सकती है।

आंखों में आंसू, हाथ में टी-20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी, रिंकू सिंह ने पूरा किया पिता का सपना

●रिंकू सिंह ने टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीती।

● दिवंगत पिता खानचंद का सपना पूरा किया।

● जीत की खुशी संग पिता के न होने का दुख।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अलीगढ़। 30 जनवरी 2026 का दिन। जब टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप की ट्रॉफी रिंकू सिंह के स्कूल डीपीएस अलीगढ़ में प्रदर्शित करने को लाई गई थी। तब पिता खानचंद ने वीडियो कॉल करके बेटे रिंकू से ट्रॉफी दिखाते हुए कहा था, इसे देखे ले, ये तुझको लेकर आनी है।

तब बेटे ने जवाब दिया था कि हां पापा, पूरी कोशिश करूंगा कि ट्राफी जीतकर आऊं। आज आठ मार्च का दिन है, जब बेटे ने अपने पिता का सपना पूरा कर दिया। मगर, मन में टीस ये है कि पिता इस सपने को साकार होता देखने के लिए परिवार के साथ नहीं हैं।

27 फरवरी 2026 को उनका निधन हो गया। भारतीय टीम को जब विजेता ट्रॉफी सौंपी गई तो रिंकू ने भी ट्रॉफी को हाथ में उठाया। आसमान की ओर देखते हुए यही कहा होगा कि पापा ट्रॉफी जीत ली...।

रिंकू दिवंगत पिता का अंतिम संस्कार करने 27 फरवरी को टीम से अलग होकर चेन्नई से अलीगढ़ आए थे। देश की खातिर अगले ही दिन 28 फरवरी को वे टीम के साथ फिर जुड़ने के लिए ओजोन सिटी स्थित आवास से रवाना हो गए थे। रिंकू व उनके परिवार के सामने ऐसी विषम स्थिति आ खड़ी हुई है कि एक तरफ ट्रॉफी जीतने की खुशी तो दूसरी ओर पिता के न रहने का दुख है।

अब 11 मार्च को उनकी तेरहवीं होनी है। इसलिए इस जीत का जश्न उनके महुआखेड़ा स्थित मैदान पर नहीं किया गया।

मगर, बेटे ने अपने पिता का सपना पूरा कर उनको सच्ची श्रद्धांजलि जरूर अर्पित की है। इसके साथ ही रिंकू वो क्रिकेटर भी बन गए हैं जो विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे हैं। मैच जीतने के बाद प्राइज सेरेमनी में जब रिंकू को मेडल पहनाने के लिए बुलाया गया तो अलीगढ़वासी खुशी से झूम उठे। अब शहरवासी क्रिकेटर रिंकू के विश्व विजेता बनकर वापसी करने का इंतजार कर रहे हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

लाइन लगाकर बांटा सिलेंडर, बुकिंग की हो रही किल्लत; गैस ना मिलने से लोगों को हो रही परेशानी

सीतापुर। गैस को लेकर उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना उठाना पड़ रहा है। शनिवार को जेलरोड स्थित एक एजेंसी पर लोगों को लाइन लगाकर गैस सिलेंडर वितरित किए गए। कई स्थानों पर बुकिंग के बाद भी उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर नहीं मिल रहे तो किसी की बुकिंग नहीं हो पा रही है। सिलेंडर न मिलने को लेकर लोग इंटरनेट पर पोस्ट साझा कर रहे हैं। यह किसी एक एजेंसी की समस्या नहीं है। अधिकांश स्थानों पर लोगों को गैस सिलेंडर के लिए भटकना पड़ रहा है। शहर से लेकर ग्रामीणों क्षेत्रों में यह समस्या बनी हुई है। हालांकि जिला प्रशासन की ओर से जिले में किसी तरह की गैस की किल्लत न होने की बात कही जा रही है। होली के चलते समस्या होने का दावा किया जा रहा। नैपालापुर के पिंटू ने बताया कि उन्होंने होली से पहले गैस बुक की थी, एजेंसी पर जाने के बाद सिलेंडर नहीं मिला। इसी तरह रानी, आरती व महेश ने बताया कि उनकी बुकिंग ही नहीं हो रही है। घर में सिलेंडर खत्म हो चुका है।

पेट्रोल-डीजल समाप्त होने की फैली थी अफवाह

इंटरनेट पर हार्मुज की खाड़ी (ईरान और ओमान के बीच जलमार्ग, जिससे पेट्रो पदार्थों और गैस ही आपूर्ति होती है।) बंद होने की खबर प्रसारित हो रही हैं। शुक्रवार को जिले में पेट्रोल-डीजल की किल्लत को लेकर अफवाह भी फैली थी, जिसको लेकर जिलाधिकारी ने इंटरनेट पर वीडियो प्रसारित कर अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की थी। इसके बाद महमूदाबाद एसडीएम ने पेट्रोल पंप संचालकों के साथ बैठक की थी। इसी बीच शनिवार को जिले में कई लोगों को बुकिंग के बाद भी गैस नहीं मिली है। कई लोग ऐसे ही जिनकी बुकिंग तक भी नहीं हो रही है।

ओटीपी बताने पर ही मिलेगा सिलेंडर

इंडियन गैस एजेंसी के नोडल मनीष कुमार ने बताया कि पहले उपभोक्ता को बिना ओटीपी बताने पर सिलेंडर मिल जाता था। अब ओटीपी नंबर बताने के बाद ही सिलेंडर मिलेगा। घरेलू गैस सिलेंडर पर 60 रुपये बढ़ गए हैं, इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

'हिंद महासागर में थे ईरान के 3 जहाज, हमने एक को दी शरण', राज्यसभा में बोले एस जयशंकर

● जयशंकर ने वेस्ट एशिया में जारी तनाव पर चिंता व्यक्त की।

भारत बातचीत और चर्चा से मुद्दों को सुलझाने का पक्षधर।

मिडिल ईस्ट से भारतीयों को आर्मेनिया के रास्ते लाया जा रहा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में वेस्ट एशिया में जारी तनाव पर चिंता व्यक्त की है। जयशंकर ने बताया कि भारत ने हिंद महासागर में फंसे एक ईरानी जहाज को शरण भी दी है।

एस जयशंकर ने अपने बयान में बताया कि मिडिल ईस्ट में फंस भारतीयों को आर्मेनिया के रास्ते से निकाला जा रहा है। इनके लिए स्पेशल विदेश मंत्री ने आगे कहा, 'खाड़ी में फंसे भारतीयों की सुरक्षा की हमारी प्राथमिकता है।'

ईरान के जहाज को दी शरण

विदेश मंत्री ने सदन में बताया, 'मैंने ईरान के विदेश मंत्री से 28 फरवरी और 5 मार्च को बात की है. ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि उनके तीन जहाज हिंद महासागर में थे। हमने ईरान के निवेदन पर एक जहाज को शरण दी। इसके लिए ईरान ने धन्यवाद भी कहा है।

विदेश मंत्री ने आगे कहा, 'ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए हम सतर्क हैं। विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि भारत शांति के समर्थन में है। हम नागरिकों की सुरक्षा के पक्ष में हैं।'

खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों की चिंता

विदेश मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री इस डेवलपमेंट पर करीब से नजर रख रहे हैं। बातचीत और डिप्लोमेसी ही इसका एकमात्र हल है। हमारा मानना है कि तनाव कम करने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी को आगे बढ़ाना चाहिए।' एस जयशंकर ने आगे कहा, 'हम चाहते हैं कि वेस्ट एशिया स्थिर रहे। लाखों भारतीय खाड़ी देशों में हैं। हमें उनकी चिंता है।1 विदेश मंत्री ने बताया कि भारत शांति के पक्ष में है।

मिडिल ईस्ट में तनाव पर बोले विदेश मंत्री

एस जयशंकर ने कहा, 'जब से विवाद शुरू हुआ है, सरकार लगातार वेस्ट एशिया के हालात का अंदाजा लगा रही है। हम मिडिल ईस्ट में इस तनाव से प्रभावित सभी देशों के संपर्क में हैं।'

अलीगढ़ में 32 शराब की दुकानों के लिए लॉटरी, 10 से शुरू होंगे आवेदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अलीगढ़। इस बार शराब की 32 दुकानों का नवीनीकरण होगा। जिले में संचालित कुल 483 दुकानों में से 451 का वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नवीनीकरण हो गया है। अब आबकारी विभाग शेष दुकानों की लॉटरी की तैयारी में जुट गया है। 10 मार्च से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होगी। 17 मार्च तक आवेदन हो सकेंगे। इसके बाद इन सभी आवेदनों की समीक्षा होगी। इसके बाद 20 मार्च को लॉटरी निकाली जाएगी।

जिले की 483 दुकानों में से 451 दुकानों का हो चुकी है नवीनीकरण

जिले में शराब की 483 दुकान हैं। पिछले दिनों नए वित्तीय वर्ष के लिए इन सभी दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू हुई थी। इसमें सबसे पहले मौजूदा संचालकों को नवीनीकरण का अवसर दिया गया। अब नवीनीकरण में आवेदन से लेकर शुल्क जमा करने तक की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। आबकारी विभाग के अनुसार जिले में सबसे अधिक 277 दुकानें देशी शराब की हैं। इनमें से 263 दुकानों का नवीनीकरण हो गया। अब महज 14 दुकानों को लाटरी में शामिल किया जाएगा।

नवीनीकरण का शुल्क जमा करने के बाद लॉटरी की स्थिति हुई स्पष्ट

इसके अलावा कंपोजिट की 181 दुकानों में से 170 का नवीनीकरण हो गया है। अब महज 11 दुकानों को ही लॉटरी में शामिल किया जा रहा है। 12 मॉडल शॉप में से महज आठ का ही नवीनीकरण हुआ है। चार मॉडल शॉप लॉटरी में आवंटित किए जाएंगे। इसके अलावा भांग की तीन दुकानें भी इस बार लॉटरी में शामिल हुई हैं।

बहराइच में नलकूप की बाउंड्रीवॉल का पिलर भरभराकर गिरा, दबने से मासूम की मौत; दोस्त घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बहराइच। शिवपुरा गांव में राजकीय नलकूप की बाउंड्रीवाल का पिलर रविवार शाम को अचानक गिर गया। जिसके नीचे दबकर एक बालक की मौत हो गई, जबकि साथी घायल हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया। बालक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।ग्राम पंचायत लालपुर शिवपुर के मजरा शिवपुरा में राजकीय नलकूप का निर्माण कराया गया है। परिसर में कोई अंदर न प्रवेश कर सके, इसके लिए बाउंड्रीवाल बनाकर उसे पिलर पर रोका गया है। शाम छह बजे गांव निवासी 10 वर्षीय रज्जब उर्फ सल्लू अपने साथी सात वर्षीय फुरकान के साथ खेल रहे थे।

मासूम की मौत, साथी घायल

खेलने के दौरान दोनों ने पिलर को पकड़ लिया। तभी पिलर दोनों बच्चों पर गिर गया। उसके नीचे दबकर रज्जब की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि फुरकान घायल हो गए। मौजूद लोगों की सूचना पर परिवारजन मौके पर पहुंचे। पुलिस को घटना की जानकारी दी गई।

थानाध्यक्ष हरिकेश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि एक बालक की पिलर के नीचे दबकर मौत हुई, जबकि दूसरा घायल हुआ है। उसे परिवारजन जिला मुख्यालय स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले गए हैं। हादसे के बाद परिवार में मायूसी है। परिवार के लोग रो रहे हैं।

घटिया निर्माण पर सवाल

गांव के लोगों ने बताया कि मोटे पिलर को ठेकेदार की ओर से सिर्फ एक सरिया के सहारे रोका गया था। जिसके चलते झटका लगते ही पिलर गिर गया। निर्माण में मानकों की जमकर अनदेखी की गई है। घटिया निर्माण ने एक बालक की जान ले ली।

अधिशाषी अभियंता सलिल कुमार ने बताया कि नलकूप खंड नानपारा की ओर से बाउंड्रीवाल का निर्माण करीब तीन लाख की लागत से कराया गया था। पिलर को नलकूप की सुरक्षा के लिए मानक के अनुसार ही बनवाया गया है।

सीतापुर में पीएमश्री विद्यालयों को मिले 62 सुरक्षाकर्मी, अराजक तत्वों के प्रवेश पर रहेगी कड़ी निगरानी

●सीतापुर के 31 पीएमश्री विद्यालयों में सुरक्षाकर्मी तैनात।

प्रांतीय रक्षक दल के 62 जवान करेंगे विद्यालयों की सुरक्षा।

संसाधनों की सुरक्षा व अराजक तत्वों पर रहेगी रोक।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। पीएमश्री विद्यालयों में दो-दो सुरक्षा कर्मी तैनात कर दिए गए हैं। यह कर्मचारी प्रांतीय रक्षक दल के हैं। जिले में बेसिक शिक्षा विभाग के 31 पीएमश्री विद्यालय हैं। इन विद्यालयों में सुरक्षाकर्मी तैनात होने के बाद अराजक तत्व प्रवेश नहीं कर पाएंगे। इससे संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

पीएमश्री विद्यालयों को सरकार मॉडल के रूप में विकसित कर रही है। यहां के लिए अतिरिक्त बजट देकर स्मार्ट क्लास के अलावा आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ऐसे में विद्यालय में संसाधनों की सुरक्षा के लिए यह व्यवस्था जरूरी मानी जा रही थी।

बेसिक शिक्षा विभाग के उच्च प्राथमिक विद्यालय चिलवारा, अकबरगंज, सैदापुर, हरिहरपुर, राजेपुर, जगमालपुर, सिपातपुर, सेमौरा, खालेपुरवा, नकारा, तारापुर, कटिघरा, भिठौरा, क्योटी बादुल्ला, धरौली, रसूलपुर, दुगाना, गदौरा, धैला, भदमरा, किशुनपुर, बेलगवां, दुगावां, नूरपुर, सेमरा, टिकौली, अतौरा, ठाकुरनगर, धनुवापुर, कोट कर्बला आदि विद्यालय हैं। यहां सुरक्षा कर्मी एक मार्च से ड्यूटी करने लगे हैं। हर वर्ष पीएमश्री विद्यालयों की संख्या भी बढ़ रही है।

इसी अनुसार सुरक्षाकर्मी भी बढ़ते रहेंगे। वहीं माध्यमिक शिक्षा में सात पीएमश्री विद्यालय हैं। इनमें सुरक्षा कर्मी की तैनाती की प्रक्रिया चल रही है। जिला विद्यालय निरीक्षक राजेंद्र सिंह ने बताया कि सात पीएमश्री विद्यालयों में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती होनी है। निदेशालय से मानदेय भुगतान की स्वीकृति मिलना शेष बचा है।

शिक्षक संघ ने महानिदेशक से की थी मांग

उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रांतीय प्रवक्ता मनीष पांडेय ने बताया कि स्कूल शिक्षा महानिदेशक से संगठन ने सभी पीएमश्री विद्यालयों में सुरक्षा कर्मी की तैनाती की मांग की थी। इन विद्यालयों में संसाधन बढ़ने के बाद चोरी आदि की घटनाएं होने लगी थीं। इसको लेकर महानिदेशक से प्रतिनिधिमंडल मिला था। इसके बाद सुरक्षाकर्मी की तैनाती की गई है। निर्णय का संगठन स्वागत करता है।

अलीगढ़ में दिनदहाड़े मोबाइल दुकान पर पिता-पुत्र को पिस्टल दिखाकर ?2.24 लाख की लूट, CCTV में कैद हुई वारदात

अलीगढ़। कानून व्यवस्था सुधार के लिए पुलिस कितने भी दावे करे, लेकिन बदमाश काबू में नहीं आ रहे। होली पर स्क्रैप कारोबारी के यहां दिन दहाड़े हुई डकैती की घटना के चार दिन बाद नकाबपोश बदमाश शनिवार की रात छर्रा अड्डा पुल के नीचे एक मोबाइल की दुकान से 2.24 लाख रुपये लूट ले गए। एक बदमाश पिस्टल लेकर दुकान स्वामी पिता-पुत्र को धमकाता रहा, दूसरा गल्ले से रुपये निकाल ले गया। पूरा घटना क्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। कैमरों की मदद से पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है। गांधीपार्क क्षेत्र के इंद्रपुरी बगीची कालोनी में छर्रा अड्डा पुल के नीचे केंद्रपाल सिंह का मकान है। मकान के बाहर ही भारत टेलीकाम के नाम से मोबाइल की दुकान है। शनिवार की रात 10ः56 बजे केंद्रपाल और उनका छोटा बेटा प्रशांत दुकान पर थे। केंद्रपाल सिंह के बड़े बेटा भूपेंद्र पाल सिंह ने बताया कि तभी अचानक दो युवक दुकान में आए। काला पेंट और काली शर्ट पहने बदमाश के हाथ में पिस्टल थी। आते ही उसने भाई की तलाशी लेते हुए रुपये मांगे। इसी दौरान लाल टी शर्ट पहने दूसरे बदमाश ने गल्ले में तलाशी लेना शुरु कर दिया। भाई ने विरोध किया तो गोली मारने की धमकी दी। भाई के अलावा पिता भी तलाशी ली। गल्ले में रुपये मिलने के बाद दोनों बदमाश छर्रा अड्डा पुल की ओर भाग गए। दोनों के चेहरे पर मास्क भी लगा हुआ था।

नवप्रवर्तन राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि के दिशा प्रवर्त्तक

(समेकित प्रयासों की भूमिका रचनात्मक)

नवप्रवर्तन राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि के दिशा प्रवर्त्तक होते हैं। किसी भी देश में समस्त प्रयासों की रचनात्मक भूमिका होनी चाहिए उसी के फल स्वरुप राष्ट्र का आर्थिक तंत्र मजबूत तथा शक्तिशाली होता है। जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज मैं 3त्न नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ

बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

संजीव ठाकुर

शिक्षित,आत्मनिर्भर नारी भारत का गौरवशाली, उज्जवल भविष्य

(नारी शक्ति देश की ऊर्जा)

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है ।नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई हैद्य वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या बेटा। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी मैं ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था । इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है। नारी के उत्थान में कई कुप्रथा कुठाराघात करती रही हैं, जो नारी के विकास में बाधा बनकर सामने आई थी इनमें बाल विवाह सबसे बड़ा अवरोध बना था और इसी का प्रतिफल है कि नारी पुरुष के समाज में काफी पिछड़ गई थी। महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित - प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है. उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। आज का सबसे ताजा उदाहरण कॉमनवेल्थ गेम में महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में प्रवेश किया है और गोल्ड मेडल की तालिका में

साक्षी मलिक बहनो, फोगाट बहनों ने विश्व में भारत का नाम ऊंचा किया है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है। उन्होंने भारत के लिए एक स्वर्णिम इतिहास भी बनाया है।अब भारत में नारियों की स्थिति प्रथम पंक्ति में मानी जाती है। ऐसे में भारत में नारी शिक्षा, उनकी सहभागिता तथा उनकी आत्म निर्भरता भारत के भविष्य की शक्तिशाली ऊर्जा एवं संपत्ति ही होगी।

भारत की नारियों को नमन, प्रणाम एवं अभिनंदन।

संजीव ठाकुर,

युग-निर्मात्री नारी

कम मत आँको तुम शक्ति को,
इस हिंदुस्तानी नारी की,
माँ दुर्गा के चरणों में जो,
अटूट भक्ति है इस नारी की।

जब अन्याय की आंधी उठती,
बन जाती यह माँ भवानी,
दुष्टों का संहार कर दे,
अद्भुत है नारी हिंदुस्तानी।

घर-आँगन की धुरी यही है,
परिवार की यह शान है,
इसे कभी मत समझो बेचारी,

यह तो शक्ति की पहचान है।
घर हो या हो बाहर की दुनिया,
हर मोर्चे पर डट जाती,
कर्तव्य और विश्वास से अपनी,
हर जिम्मेदारी निभाती।
धर्म-भक्ति में गहरी आस्था,
ममता में सागर की गहराई,
बच्चों के प्रति असीम लगन,
जैसे धरती की परछाई।

स्कूटर, ऑटो, बस चलाती,
रेल की भी कमान संभालती,
आसमान में पंख पसारकर,
हवाई जहाज़ तक उड़ाती।

समाज के हर विकास-पथ पर,
उसकी ऊर्जा चमक दिखाती,
घर का आँगन हो या सीमा,
हर जगह विजय पताका फ़हराती।

बुजुर्गों का यह कहना है,
सुन लो जग के नर-नारी,
घर का मैदान हो या सेना,
सबसे आगे है यह नारी।

अद्भुत इसकी शक्ति निराली,
अटूट इसकी देशभक्ति प्यारी
युग-युग से इतिहास लिखती,
नारी की अनुपम यह भक्ति।

हे देश की नारी,माँ, बहन, बेटी
तुमको शत-शत नमन हमारा,
तुमसे ही घर-आँगन में
चैन, अमन और प्रेम उजियारा।

नारी शक्ति को शत-शत प्रणाम,
नारी शक्ति को शत-शत नमन।

संपादकीय

निशांत कुमार का राजनीतिक उदय

बिहार की राजनीति आज उस मोड़ पर खड़ी है जहाँ सत्ता के गलियारों में बदलाव की सरसराहट नहीं, बल्कि एक युग के अवसान और नए नेतृत्व के अभ्युदय की पदचाप सुनाई दे रही है। पिछले दो दशकों से बिहार की नियति को अपनी उंगलियों पर नचाने वाले नीतीश कुमार ने अपनी राजनीतिक यात्रा के उस पड़ाव पर कदम रखा है, जहाँ से वापसी के रास्ते संगठन की मजबूती और उत्तराधिकार के प्रश्न पर जाकर टिक जाते हैं। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के भीतर लंबे समय से जिस सन्नाटे को महसूस किया जा रहा था, वह 8 मार्च 2026 को पटना स्थित पार्टी मुख्यालय में नारों की गूँज के साथ टूट गया। निशांत कुमार का राजनीति में औपचारिक प्रवेश केवल एक व्यक्ति का दल में शामिल होना नहीं है, बल्कि यह एक क्षेत्रीय दल के अस्तित्व को बचाने की उस छटपटाहट का परिणाम है, जो अक्सर %वन मैन शो% वाली पार्टियों में उनके शीर्ष नेता के सक्रिय राजनीति से दूर होने पर दिखाई देती है। नीतीश कुमार ने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में जिस समाजवाद और वंशवाद विरोधी विचारधारा का झंडा बुलंद किया, आज उनकी पार्टी उसी वंशवाद के छाते तले खुद को सुरक्षित महसूस कर रही है। यह भारतीय राजनीति की एक कड़वी हकीकत है कि क्षेत्रीय दल विचारधारा से ज्यादा एक चेहरे से बंधे होते हैं और जब वह चेहरा धुंधला पड़ने लगता है, तो कार्यकर्ता किसी ऐसे नाम की तलाश करते हैं जो उस विरासत को संजो सके। निशांत कुमार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे एक ऐसे पिता के उत्तराधिकारी बनकर आए हैं जिन्होंने अपनी शर्तों पर राजनीति की है। नीतीश कुमार वह शख्सियत रहे हैं जिन्होंने विधानसभा में संख्या बल कम होने के बावजूद गठबंधन के साथियों को अपनी उंगलियों पर नचाया और चार बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर यह साबित किया कि राजनीति में करिश्मा और चाणक्य नीति का मेल क्या होता है।

2025 के विधानसभा चुनावों ने नीतीश कुमार की लोकप्रियता पर उठ रहे तमाम सवालों पर विराम लगा दिया था। उनके गिरते स्वास्थ्य और भूलने की बीमारी की चर्चाओं के बीच जब परिणाम आए, तो वे चौंकाने वाले थे। जनता ने उन्हें न केवल वोट दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि बिहार के ग्रामीण अंचलों में आज भी 'सुशासन बाबू' की धमक बरकरार है। यहाँ तक कि भारतीय जनता पार्टी को मिली भारी सफलता के पीछे भी नीतीश कुमार का वह अति पिछड़ा और महिला वोट बैंक सक्रिय था, जो खामोशी से उनके पक्ष में लामबंद रहता है। लेकिन अपने राजनीतिक चरमोत्कर्ष पर नीतीश कुमार का राज्यसभा जाने का फैसला और पार्टी की बागडोर परोक्ष रूप से निशांत कुमार के हाथों में सौंपने की तैयारी ने कार्यकर्ताओं को हतप्रभ कर दिया है। निशांत के स्वागत में लगे 'निशांत हैं तो निश्चिंत हैं' के नारे दरअसल कार्यकर्ताओं के उसी भय को दर्शाते हैं जो नीतीश के बिना पार्टी के बिखरने की आशंका से पैदा हुआ है। 40 वर्षीय निशांत, जो पेशे से इंजीनियर हैं और अब तक सक्रिय राजनीति की चकाचौंध से दूर रहे, उनके लिए यह डगर कांटों भरी है। राजनीति कोई इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट नहीं है जहाँ फार्मूलों से नतीजे निकाले जा सकें, यहाँ समीकरण हर पल बदलते हैं। उनकी पहली और सबसे बड़ी चुनौती पार्टी के उस मूल आधार—कुर्मी, कोइरी और अति पिछड़ा वर्ग—को अपने साथ जोड़े रखने की है, जो नीतीश कुमार के व्यक्तित्व के आकर्षण में जेडीयू के साथ रहा है। क्या एक सौम्य और राजनीति से दूर रहा युवा इन वर्गों की आकांक्षाओं को वह स्वर दे पाएगा जो उनके पिता ने दिया था? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि तेजस्वी यादव और चिराग पासवान जैसे युवा नेता पहले से ही बिहार की मिट्टी में अपनी जड़ें गहरी कर चुके हैं।

निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री एक ऐसे समय में हुई है जब उनके प्रतिद्वंद्वी राजनीति के मजे हुए खिलाड़ी बन चुके हैं। तेजस्वी यादव ने जहाँ लालू प्रसाद यादव की विरासत को अपनी मेहनत और संघर्ष से एक नई ऊँचाई दी है, वहीं चिराग पासवान ने भी %हनुमान% की छवि से निकलकर अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई है। इन दोनों नेताओं के विपरीत निशांत को राजनीति विरासत में मिली तो है, लेकिन उन्होंने कभी अपने पिता के साथ धूप-छाँव में संघर्ष नहीं किया। वे नीतीश कुमार के उन राजनीतिक दांव-पेंचों के साक्षी नहीं रहे हैं जिन्होंने जेडीयू को बार-बार संकट से उबारा। ऐसे में पार्टी के भीतर मौजूद %घाघ% और पुराने नेताओं के साथ तालमेल बिठाना उनके लिए अग्निपरीक्षा जैसा होगा। जेडीयू के भीतर कई ऐसे दिग्गज नेता हैं जो खुद को नीतीश का स्वाभाविक उत्तराधिकारी मानते रहे हैं। राजीव रंजन सिंह और संजय झा जैसे नेताओं की मौजूदगी में निशांत को अपनी स्वतंत्र पहचान बनानी होगी, वरना यह आशंका हमेशा बनी रहेगी कि वे केवल एक 'रबर स्टैंप' बनकर रह जाएंगे और पार्टी की दूसरी लाइन के नेता उन्हें अपने हितों के लिए इस्तेमाल करेंगे।

एक और गंभीर चुनौती भारतीय जनता पार्टी के साथ संबंधों को लेकर है। बिहार में बीजेपी अब वह छोटी पार्टी नहीं रही जो नीतीश कुमार के पीछे चलती थी। 2025 के नतीजों के बाद बीजेपी अब खुद को %बड़े भाई% की भूमिका में देख रही है। गठबंधन की राजनीति अक्सर क्रूर होती है और हर बड़ी पार्टी अपने छोटे सहयोगी को निगलने या उसे अप्रासंगिक बनाने की कोशिश करती है। बीजेपी की दीर्घकालिक रणनीति बिहार में अपना मुख्यमंत्री लाने की है, और नीतीश कुमार के सक्रिय राजनीति से हटने के बाद जेडीयू के लिए जूनियर पार्टनर बनकर अपनी स्वायत्तता बचाए रखना लगभग असंभव सा कार्य होगा। बीजेपी चाहेगी कि भविष्य में जेडीयू का उसमें विलय हो जाए या फिर वह इतनी कमजोर हो जाए कि उसका अपना कोई अस्तित्व न बचे। निशांत कुमार को इस 'मित्रवत हमले' से पार्टी को बचाना होगा। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि जेडीयू केवल एक चुनाव जिताने वाली मशीन न बनकर रह जाए, बल्कि उसका अपना वैचारिक स्टैंड भी बना रहे।

निशांत के पक्ष में एक बात यह जाती है कि वे शिक्षित हैं और उनकी छवि साफ-सुथरी है। बिहार की युवा पीढ़ी, जो जातिगत समीकरणों से ऊपर उठकर विकास और शिक्षा की बात करती है, निशांत में एक उम्मीद देख सकती है। लेकिन राजनीति में केवल शिक्षा और सौम्यता काफी नहीं होती, यहाँ जनमानस से जुड़ने के लिए पसीना बहाना पड़ता है। नीतीश कुमार की अनुपस्थिति में जब वे सदस्यता ले रहे थे, तो उसमें एक गहरा संदेश छिपा था। नीतीश ने शायद यह जतलाने की कोशिश की कि वे अभी भी वंशवाद के खिलाफ हैं और निशांत का आना पार्टी की इच्छा है, उनकी निजी जिद नहीं। हालांकि, यह संदेश आम जनता तक किस रूप में पहुँचता है, यह देखने वाली बात होगी।

क्या जनता इसे नीतीश की मजबूरी समझेगी या एक सोची-समझी रणनीति? यदि जनता के बीच यह संदेश गया कि जेडीयू अब केवल एक परिवार को बचाने की कोशिश कर रही है, तो नीतीश कुमार द्वारा दशकों में कमाई गई %सुशासन% की साख को धक्का लग सकता है।

जेडीयू की सांगठनिक स्थिति वर्तमान में नाजुक है। 2010 में 115 सीटें जीतने वाली पार्टी 2020 में 45 पर सिमट गई थी, हालांकि 2025 में उसने फिर से 85 सीटों के साथ वापसी की। यह उतार-चढ़ाव दिखाता है कि पार्टी का जनाधार पूरी तरह सुरक्षित नहीं है और वह गठबंधन के साथी की मजबूती पर निर्भर करता है। नीतीश कुमार का करिश्मा ही वह गोंद था जो इस गठबंधन को वजन देता था। अब जब गठबंधन की कमान निशांत की ओर झुक रही है, तो उन्हें साबित करना होगा कि वे केवल नीतीश के पुत्र नहीं हैं, बल्कि एक कुशल रणनीतिकार भी हैं। उन्हें उन विधायकों और नेताओं को टूटने से रोकना होगा जो सत्ता के नए केंद्रों की तलाश में दूसरी पार्टियों का रुख कर सकते हैं। अटकलें हैं कि उन्हें डिप्टी सीएम बनाया जा सकता है या पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष। पद चाहे जो भी मिले, असली चुनौती सड़क पर उतरकर कार्यकर्ताओं का विश्वास जीतने की होगी।

अंततः, निशांत कुमार की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे अपने पिता के 'मार्गदर्शन' का उपयोग किस सीमा तक करते हैं। नीतीश कुमार ने भले ही कह दिया हो कि 'मैं हूँ ना', लेकिन दिल्ली की राजनीति और पटना की जमीन के बीच का फासला बहुत बड़ा होता है। गठबंधन की राजनीति में सहयोगी दल अक्सर कमजोर कड़ियों की तलाश में रहते हैं। यदि निशांत ने अपनी राजनीतिक परिपक्वता का परिचय जल्द नहीं दिया, तो जेडीयू का अस्तित्व बीजेपी के बढ़ते प्रभुत्व और तेजस्वी यादव के आक्रामक विपक्ष के बीच सैंडविच बनकर रह सकता है। बिहार की राजनीति में यह एक नए अध्याय की शुरुआत है, जिसमें विरासत का बोझ है, प्रतिद्वंद्वियों की चुनौती है और एक ऐसी जनता की उम्मीदें हैं जो अब पुराने नारों से आगे निकलना चाहती है। निशांत कुमार को यह समझना होगा कि उनके पिता ने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया था, जबकि उन्हें शिखर पर बने रहने के लिए शून्य से शुरुआत करनी है। यह चुनौती किसी भी युद्ध से बड़ी है, क्योंकि यहाँ हारने के लिए एक पूरी विरासत है और जीतने के लिए केवल संघर्ष।

निशांत कुमार की राह में सबसे बड़ी बाधा वह 'सूडो-पॉलिटिकल' ढांचा भी है जिसे उनके पिता ने बड़ी कुशलता से बुना था। नीतीश कुमार ने अधिकारियों के भरोसे शासन चलाया, जिससे पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता अक्सर खुद को उपेक्षित महसूस करते रहे। यदि निशांत भी इसी रास्ते पर चलते हैं, तो कार्यकर्ताओं का उत्साह जल्दी ही ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

उन्हें पार्टी के भीतर लोकतंत्र को बहाल करना होगा और उन कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करना होगा जो अब तक केवल नीतीश के नाम पर वोट मांगते आए हैं। बिहार का भविष्य अब इस बात पर टिका है कि क्या यह नया नेतृत्व सुशासन की उस लौ को जलाए रख पाता है या फिर सत्ता की इस खींचतान में जेडीयू इतिहास के पन्नों में एक और क्षेत्रीय दल के रूप में दर्ज हो जाती है जो अपने नायक के जाने के बाद अपनी पहचान खो बैठा। 8 मार्च की वह शाम पटना के आकाश में नई उम्मीदें लेकर आई थी, लेकिन उन उम्मीदों को हकीकत में बदलना निशांत कुमार के लिए लोहे के चने चबाने जैसा होगा।

महेन्द्र तिवारी

जेब में पलता अदृश्य ज़हर- सोशल मीडिया और युवा मन का संकट

[आभासी सफलता का दबाव और युवा मन का अवसाद]

[सोशल मीडिया- मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण का नया दौर]

कभी मानव सभ्यता को खतरा बाहरी प्रदूषणों से था—धुएँ से, प्लास्टिक से, रसायनों से। पर आज सबसे घातक प्रदूषण हमारी जेब में रखा हुआ है—मोबाइल की चमकती स्क्रीन और उस पर दौड़ती सोशल मीडिया की दुनिया। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, पर मन और चेतना को भीतर से क्षीण कर देता है। यह शरीर को नहीं, आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आशा को खा जाता है। यही कारण है कि बीते कुछ वर्षों में युवाओं में अवसाद, अकेलापन और आत्महत्या की घटनाओं के पीछे सोशल मीडिया की भूमिका तेजी से चर्चा में आई है। यह तकनीक सुविधा का साधन बनकर आई थी, लेकिन अनियंत्रित उपयोग ने इसे मानसिक विष में बदल दिया है।

सोशल मीडिया का सबसे गहरा असर युवा मन की तुलना करने की प्रवृत्ति पर पड़ता है। यह मंच एक ऐसा आभासी संसार रच देता है जहाँ हर व्यक्ति अपनी जिंदगी का सबसे चमकदार पक्ष ही दिखाता है। महंगी कारें, शानदार यात्राएँ, आकर्षक चेहरे और लगातार मिलती सफलता—इन दृश्यों को देखकर एक सामान्य युवा अनजाने में स्वयं को असफल समझने लगता है। उसे लगने लगता है कि बाकी सब लोग जीवन की दौड़ में उससे बहुत आगे निकल चुके हैं। यही निरंतर तुलना धीरे-धीरे आत्मविश्वास को कमजोर कर देती है और व्यक्ति को भीतर से तोड़ने लगती है।

मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली प्रतिक्रिया—लाइक, कमेंट और शेयर—एक प्रकार की मनोवैज्ञानिक लत पैदा करती है। हर बार जब किसी पोस्ट पर प्रतिक्रिया मिलती है, तो मस्तिष्क में डोपामिन नामक रसायन सक्रिय होता है, जो क्षणिक खुशी देता है। लेकिन यही खुशी व्यक्ति को बार-बार उसी प्रतिक्रिया की तलाश में बाँध देती है। जब अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो निराशा और बेचैनी बढ़ जाती है। धीरे-धीरे यह मानसिक निर्भरता व्यक्ति के आत्मसम्मान को पूरी तरह बाहरी स्वीकृति पर आश्रित बना देती है। इस समस्या का दूसरा गंभीर पक्ष है साइबर बुलिंग। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी, लेकिन इसके साथ ही अपमान और उत्पीड़न के नए रास्ते भी खोल दिए। गुमनाम पहचान के पीछे छिपकर लोग दूसरों का मजाक उड़ाते हैं, अपमानजनक टिप्पणियाँ करते हैं या निजी तस्वीरों को वायरल कर देते हैं। किशोर और युवा उम्र में आत्मसम्मान बेहद संवेदनशील होता है; ऐसे में सार्वजनिक अपमान मानसिक आघात बन जाता है। कई मामलों में यह अपमान इतना गहरा होता है कि पीड़ित युवा स्वयं को समाज के सामने असहाय महसूस करने लगता है।

एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि सोशल मीडिया युवाओं के वास्तविक संबंधों को कमजोर कर रहा है। पहले दुख या तनाव के समय व्यक्ति परिवार, मित्रों या समाज के बीच समाधान खोजता था। अब वही व्यक्ति अपनी भावनाएँ स्क्रीन पर उकेर देता है। लेकिन वर्चुअल दुनिया में संवेदनशीलता का स्थान अक्सर प्रतिक्रिया और मनोरंजन ने ले लिया है। कई बार गंभीर पीड़ा को भी लोग हल्के में लेते हैं या उसे मजाक बना देते हैं। परिणामस्वरूप पीड़ित व्यक्ति और अधिक अकेला महसूस करता है।

डिजिटल लत का प्रभाव युवाओं की दिनचर्या पर भी स्पष्ट दिखाई देता है। देर रात तक मोबाइल पर सक्रिय रहने से नींद प्रभावित होती है, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद आवश्यक है। नींद की कमी से चिड़चिड़ापन, चिंता और ध्यान की कमी बढ़ती है। पढ़ाई, करियर और सामाजिक जीवन पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। जब व्यक्ति बार-बार असफलता या असंतुलन महसूस करता है, तो उसके भीतर निराशा की भावना और गहरी होने लगती है।

सोशल मीडिया की एक और खतरनाक प्रवृत्ति है ÷परफेक्ट लाइफ÷ का भ्रम। यह मंच वास्तविक जीवन की जटिलताओं को छिपाकर केवल आकर्षक क्षणों को सामने लाता है। संघर्ष, असफलता और साधारण जीवन के पल लगभग गायब रहते हैं। परिणामस्वरूप देखने वाले युवाओं को लगता है कि बाकी सभी लोग खुश और सफल हैं, केवल वही संघर्ष कर रहे हैं। यही भ्रम धीरे-धीरे आत्मसम्मान को कमजोर करता है और जीवन के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण पैदा करता है।

हाल के वर्षों में कई देशों में किए गए अध्ययन यह संकेत देते हैं कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग और युवाओं में बढ़ती मानसिक समस्याओं के बीच स्पष्ट संबंध दिखाई देता है। चिंता, अवसाद, आत्महीनता और अकेलापन—ये सभी समस्याएँ अनियंत्रित सोशल मीडिया उपयोग से और बढ़ सकती हैं। जब व्यक्ति लगातार आभासी दुनिया में डूबा रहता है, तो वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जूझने की उसकी क्षमता धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगती है।

इस समस्या का समाधान केवल तकनीक से दूरी बनाने में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में छिपा है। युवाओं को यह समझाना आवश्यक है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली दुनिया पूरी सच्चाई नहीं होती। यह जीवन का केवल चुना हुआ और सजाया हुआ हिस्सा होता है। यदि युवा इस अंतर को समझ लें, तो वे तुलना और निराशा के जाल से बच सकते हैं। इसके साथ ही डिजिटल अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है—सीमित समय तक उपयोग, नियमित विश्राम और वास्तविक जीवन की गतिविधियों में भागीदारी।

परिवार और शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। माता-पिता को बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए और उनकी भावनात्मक स्थिति को समझने का प्रयास करना चाहिए। विद्यालयों में मानसिक स्वास्थ्य और डिजिटल साक्षरता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि युवा ऑनलाइन दुनिया के खतरों को पहचान सकें। यदि समाज समय रहते संवेदनशीलता और समर्थन का वातावरण बना सके, तो कई दुखद घटनाओं को रोका जा सकता है।

आज तकनीक को नकारना संभव नहीं, क्योंकि वह हमारे जीवन की धड़कनों में शामिल हो चुकी है। प्रश्न यह नहीं कि सोशल मीडिया रहे या नहीं, बल्कि यह है कि हम उसका उपयोग किस विवेक और जिम्मेदारी के साथ करते हैं। यदि इसका संतुलित और सजग उपयोग हो, तो यही माध्यम ज्ञान, रचनात्मकता और संवाद का सशक्त सेतु बन सकता है। लेकिन यदि नियंत्रण खो जाए, तो यही चमकती स्क्रीन धीरे-धीरे मानसिक विष बनकर हमारी युवा पीढ़ी की ऊर्जा, आत्मविश्वास और आशा को भीतर ही भीतर निगल सकती है।

आज आवश्यकता है कि समाज इस अदृश्य खतरे को गंभीरता से समझे। प्लास्टिक पर्यावरण को प्रदूषित करता है, लेकिन सोशल मीडिया का असंतुलित प्रभाव मन और विचारों को प्रदूषित कर सकता है। यदि हम युवाओं को सुरक्षित और सशक्त भविष्य देना चाहते हैं, तो हमें उन्हें आभासी चमक से अधिक वास्तविक जीवन के मूल्य सिखाने होंगे। तभी यह पीढ़ी निराशा के अंधेरे में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और संतुलन की रोशनी में आगे बढ़ सकेगी।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

होली मिलन समारोह के पंडाल से पूर्व प्रधान की बाइक उड़ाई

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के महेश नगर मोहल्ला में शनिवार की देर शाम को आयोजित होली मिलन समारोह कार्यक्रम के दौरान अज्ञात चोरो ने पूर्व प्रधान की बाइक उड़ा ली। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है आलमपुर ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान लालजी यादव ने बताया कि वह आयोजन में शरीक होने गए थे। पंडाल के बगल पार्किंग स्थल पर उन्होंने अपनी बाइक खड़ी कर कार्यक्रम देख रहे थे। लौट कर वापस आने पर खड़े किए गए स्थान से बाइक नदारत मिली। पुलिस आयोजन स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल कर रही है।

मारपीट कर जेब से रुपए निकालने का आरोप

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के गौरा रुपई निवासी युवक ने गांव के ही एक व्यक्ति पर जबरन जेब से रुपए निकालने का आरोप लगाया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है। गांव निवासी आदित्य ने बताया कि रविवार की दोपहर को वह बाइक पर सवार होकर घर से अपनी की तरफ जा रहा था। तभी रास्ते में गांव के लिए एक व्यक्ति ने उसे रोक लिया और रुपए मांगने लगा। नहीं दिया तो जेब से जबरन निकाल लिया। विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए मारपीट की जान से मार डालने की धमकी दी।

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर 3 लाख की ठगी

ललितपुर पुलिस ने 6 पर दर्ज किया मुकदमा

ललितपुर। रेलवे विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला प्रकाश में आया है। जालसाजों ने एक युवक को फर्जी आईडी कार्ड और नियुक्ति पत्र थमाकर 3 लाख रुपये हड़प लिए। कोर्ट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने दो महिलाओं समेत छह आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आजादपुरा निवासी मुन्नालाल परिहार (70) ने बताया कि उनका परिचय ग्राम निबाई निवासी संतोष रानी से था, जहां वह काली माता की चौकी पर जाते थे। वहीं उनकी मुलाकात भूरेलाल और उसके पुत्र प्रमोद से हुई। आरोपियों ने मुन्नालाल को झांसा दिया कि उनके रिश्तेदार गब्बर सिंह राय की रेलवे विभाग में बड़ी पकड़ है और वह उनके नाती आर्यन की नौकरी लगवा सकते हैं। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने नौकरी के बदले 4.50 लाख रुपये की मांग की थी। मुन्नालाल ने आरोपियों के बताए अनुसार 1.45 लाख रुपये फोन-पे के माध्यम से वैभव कुमार के खाते में भेजे और 1.55 लाख रुपये नकद दिए।

बेदखली सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अजमत अली पुत्र स्वर्गीय अख्तर अली मोहल्ला बागवानी टोला कस्बा परगना व कोतवाली लहरपुर जनपद सीतापुर का निवासी हूं मेरे चार पुत्र हैं जिसने मेरे दूसरे नंबर का पुत्र अफजल अली पुत्र अजमत अली के चाल चलन ठीक नहीं है। जिसके चलते मैं अपने दूसरे नंबर का पुत्र अफजल अली को अपनी संपूर्ण चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं अब मेरे पुत्र अफजल अली से मेरा कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहा है तथा मेरी चल अचल संपत्तियों में अफजल अली का किसी प्रकार का हक/अधिकार नहीं होगा अगर भविष्य में मेरे पुत्र अफजल अली द्वारा किसी प्रकार का कृत्य किया जाता है तो उसका उत्तरदायित्व स्वयं का होगा। इसमें मेरे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य का किसी प्रकार का लेना-देना नहीं होगा।

अजमत अली पुत्र स्वर्गीय अख्तर अली निवासी मोहल्ला बागवानी टोला लहरपुर जनपद सीतापुर मोबाइल नंबर- 9889728874

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सुरेश कुमार आयु लगभग 65 वर्ष पुत्र श्री हेमराज निवासी-445/564ए, विश्वास नगर, मल्लाही टोला, ठाकुरगंज, लखनऊ का निवासी हूँ । मैं अपने छोटे पुत्र आकाश व उसकी पत्नी पुष्पा की हरकतों एवं शपथी की पत्नी व परिवार के समस्त सदस्यो के साथ को आये दिन मारने-पीटने व गाली-गलौज करने के कारण काफी परेशान व हताश हूँ। इस लिए अपने छोटे पुत्र आकाश व उसकी पत्नी पुष्पा को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। अब मेरा अपने छोटे पुत्र आकाश व उसकी पत्नी पुष्पा से कोई वास्ता सरोकार नही है, न ही उसके द्वारा किये गये कोई कृत्य की जिम्मेदारी शपथी व शपथी के परिवार की होगी। इनके द्वारा किये गए किसी भी तरह के कृत्य से मेरा कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा।

11 केवी लाइन की चपेट में आया बंदर, दर्दनाक मौत; बिजली कर्मियों ने किया अंतिम संस्कार

स्वतंत्र प्रभात

मलिहाबाद (लखनऊ)। मलिहाबाद क्षेत्र के बख्तियार नगर में रविवार सुबह एक भावुक कर देने वाली घटना सामने आई, जहाँ बिजली विभाग के कर्मचारियों ने संवेदनशीलता और इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए करंट से मृत हुए बंदर का पूरे विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह लगभग साढ़े 8 बजे बख्तियार नगर में एक वयस्क काले मुंह वाला बंदर आम के पेड़ पर चढ़ा हुआ था। इसी दौरान वह पेड़ की एक पतली डाल पर चला गया, जो उसके वजन को सहन नहीं कर सकी। डाल टूटकर पास से गुजर रही 11 केवी बिजली लाइन से जा टकराई। जैसे ही डाल बिजली लाइन से सटी, बंदर करंट की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

घटना के कारण क्षेत्र के पुरवा फीडर की बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हो गई, जिससे आसपास के इलाकों में करीब दो घंटे तक बिजली बाधित रही। सूचना मिलते ही बिजली विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुँची और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कार्य शुरू किया।

बिजली विभाग के लाइनमैन सुरेश तथा उनके सहयोगी अमित मौर्य, संजय , सुमित और प्रमोद ने मिलकर सावधानीपूर्वक बंदर के शव को 11 केवी लाइन से नीचे उतारा। इसके बाद सभी कर्मियों ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए बंदर का विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया। स्थानीय लोगों के अनुसार बिजली कर्मियों का यह कदम बेहद सराहनीय रहा। उन्होंने न केवल अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए बिजली व्यवस्था को दुरुस्त किया, बल्कि एक जीव के प्रति सम्मान और करुणा भी दिखाई।

अंतिम संस्कार के बाद बिजली कर्मियों ने लाइन की मरम्मत कर पुरवा फीडर की बिजली आपूर्ति को तुरंत बहाल कर दिया, जिससे क्षेत्र में सामान्य स्थिति लौट आई। यह घटना दर्शाती है कि कर्तव्य के साथ-साथ मानवीय संवेदनाएं भी समाज में उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। बिजली कर्मियों की इस पहल ने स्थानीय लोगों का दिल जीत लिया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं ने निकाला मार्च, लगाए नारे

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां सीतापुर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर वान्या फाउंडेशन की अगुवाई मे कस्बे के बाबा मंसाराम मंदिर के प्रांगण मे बड़ी संख्या मे महिलायो जमा हुई। वहां से हाथ मे स्लोगन लिखी तख्तिया हाथ मे लेकर महिलाओ की एकता जिंदाबाद,महिलाओ पर हिंसा बंद हो, बेटी बेटा एक समान,बाल विवाह बंद करो, महिला शक्ति जिंदाबाद के नारे लगाते हुए तहसील मुख्यालय होते हुए पांच नम्बर पानी टंकी तक लम्बा मार्च निकला। पानी टंकी पर नगर पालिका परिषद बिसवां के अध्यक्ष पुष्पू जायसवाल ने महिलाओ पर पुष्प वर्षा कर महिलाओ का स्वागत किया। वही पर मार्च सभा मे परिवर्तित हो गया। सभा को सम्बोधित करते हुए नगर पालिका के अध्यक्ष पुष्पू जायसवाल ने कहा शिक्षित महिला सशक्त समाज और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण मे सहायक है। नारी शक्ति के बिना सशक्त राष्ट्र की कल्पना नही की जा सकती। उन्होंने आगे कहा आज महिलाये प्रत्येक क्षेत्र मे अपने काम और संघर्ष के दम पर हर चुनौती से लड़ रही है। श्री जायसवाल ने आगे कहा हमे खुशी है वान्या संस्था ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओ और बेटियों के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

वही संस्था की सचिव रामलली पटेल ने कहा संस्था ग्रामीण उत्थान महिला सशक्तिकरण और बाल कल्याण के क्षेत्र मे निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा समाज के अंतिम पायदान पर खड़ी महिलाओ बच्चों और बुजुर्गो को मुख्यधारा से जोड़कर सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक मिले संस्था इसके लिए लगातार प्रयारत है। उपाध्यक्ष कमरुन निशा ने कहा आजादी के सात दशक बाद भी समाज मे आज भी बाल विवाह ,घरेलू हिंसा, कन्या की हत्या का समाना महिलाओ और बेटियों को करना पड़ रहा है। विजेता कनौजिया ने कहा दुःख इस बात का है कि आज भी बेटियों की गर्भ मे हत्या हो रही है कानून तो है लेकिन जागरूकता के आभाव मे यह घिनौना कृत्य आज भि जारी है। सभा को हरीशंकर गुप्ता, कांशीराम भार्गव, सुषमा भार्गव, फूलजहाँ बानो ने भि सम्बोधित किया।

इस अवसर पर रेशमा, नेहा वर्मा, निर्मला देवी अनिता देवी, रेनू, सरला सिंह, रामप्यारी, रामकुमारी, शांति, लेखरानी,प्रेम कली, रूपा, कुसमा, सरस्वती, मंतुना, गीता, उपेंद्र, सुनीता देवी, सरिता देवी, गोमती देवी, रिया शुक्ला, पिंकी यादव, स्वेता यादव,शीलू, आराध्या, रामप्रसाद होश राम, सलामा, दयाराम गौतम, शिवकुमार, अनूप कुमार, प्रियंका देवी, निर्मल यादव,पंकज भारतीय आदि सहित सैकड़ो की संख्या मे महिलाओ ने हिस्सा लिया।

सीतापुर की बेटी नीतू वर्मा राष्ट्रीय नारी रत्न सम्मान से सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर देश की राजधानी दिल्ली के साई गार्डन में आयोजित एक भव्य राष्ट्रीय समारोह में जनपद सीतापुर की प्रतिभाशाली सामाजिक कार्यकर्ती नीतू वर्मा को 'राष्ट्रीय नारी रत्न सम्मान 2026' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें शिक्षा, सामाजिक सेवा और मानवीय सहयोग के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री रविंदर इंद्राज सिंह ने उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। समारोह का आयोजन बाल युवा नारी जागृति मंच, दिल्ली द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में किया गया, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से चयनित प्रतिभाशाली महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। सीतापुर जनपद के सिधौली क्षेत्र की निवासी नीतू वर्मा का जीवन संघर्ष, परिश्रम और सेवा भावना का प्रेरणादायी उदाहरण है। साधारण किसान परिवार में जन्मी नीतू वर्मा के पिता एक मेहनती किसान हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने शिक्षा के महत्व को समझते हुए अपने जीवन को समाज सेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने शिक्षाविद् एवं समाजसेवी आर. डी. वर्मा (गुरुजी) द्वारा संचालित स्वामी विवेकानंद सामाजिक सेवा संस्थान से निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की और अपने अथक प्रयासों के बल पर आज ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। नीतू वर्मा गुरुजी आर. डी. वर्मा के विचारों से अत्यंत प्रेरित हैं।

विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि जिस संस्थान से उन्होंने शिक्षा प्राप्त कर अपने जीवन को नई दिशा दी, आज उसी संस्थान से जुड़कर वे आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही हैं। वे संस्थान को आर्थिक और शारीरिक सहयोग प्रदान करने के साथ ही निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का मार्गदर्शन भी करती हैं, जिससे अनेक युवाओं को अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा मिल रही है। सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी संवेदनशीलता केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है। नीतू वर्मा समय-समय पर रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता करती रही हैं, जिसके कारण उन्हें 'रक्त वीरांगना' के नाम से भी जाना जाता है। इसके अलावा वे दुर्घटना के शिकार मरीजों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने से लेकर आर्थिक सहायता पहुंचाने तक अनेक मानवीय कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं।

यह राष्ट्रीय सम्मान न केवल नीतू वर्मा के व्यक्तिगत परिश्रम, समर्पण और सेवा भावना का सम्मान है, बल्कि पूरे सीतापुर जनपद और सिधौली क्षेत्र के लिए भी गर्व का विषय है। उनका जीवन संघर्ष और समाज सेवा की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है।

अप्रैल से जुलाई तक मिलेगी बड़ी राहत, यूपी के इन 40 करोड़ लोगों का खुद ब खुद बिजली बिल हो जाएगा कम

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। विद्युत नियामक आयोग ने उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड को कास्ट डाटा बुक का उल्लंघन करने के मामले में उपभोक्ताओं का पैसा वापस करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों में उल्लेख किया गया है कि मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के करीब एक लाख उपभोक्ताओं का 40 करोड रुपए वापस किया जाए। यह धनराशि बिजली विभाग को अप्रैल 2026 से जुलाई 2026 के बिजली बिलों में समायोजित करनी होगी बिजली विभाग ने कास्ट डाटा बुक की अनदेखी करते हुए बिजली उपभोक्ताओं से कनेक्शन का निर्धारित शुल्क से अधिक शुल्क लिया था। इस पूरे मामले को लेकर उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष और केंद्र व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग का दरवाजा खटखटाया था। अधिक पैसा देने वाले उपभोक्ता भी इससे अंजान थे। मामला आयोग पहुंचा तो उपभोक्ताओं ने भी बिजली विभाग द्वारा अधिक कनेक्शन शुल्क लेने पर नाराजगी जताई थी। विद्युत नियामक आयोग में मामले की सुनवाई कई महीनों से चल रही थी इस पर विद्युत नियामक आयोग ने बिजली विभाग को निर्देश दिए हैं कि कास्ट डाटा बुक के हिसाब से ही कनेक्शन शुल्क लिया जाए। कनेक्शन शुल्क के मुताबिक बिजली विभाग को सिंगल फेस का 2800 रुपये लेना चाहिए लेकिन बिजली विभाग के अभियंताओं ने 6,016 रुपए लिए। द्य इसी तरह थ्री फेस का 4,100 लेना चाहिए लेकिन बिजली विभाग ने 11,341 रुपए लिए। इस संबंध में बिजली अभियंताओं का तर्क है कि जो कंप्यूटर पर धनराशि आती है, वही अभियंता व काउंटर पर बैठा कर्मी काटता है। उसमें फेरबदल उच्च स्तर पर ही हो सकता है। इसमें अभियंता की कोई गलती नहीं है। वहीं बिजली विभाग अधिक कनेक्शन धनराशि देने वाले उपभोक्ता को शेष धनराशि बिल में समायोजित करेगी। वर्मा के मुताबिक इससे पहले भी बिजली विभाग ने कास्ट डाटा बुक के नियमों की अनदेखी की थी, तब बिजली विभाग को एक करोड़ 75 लाख रुपये वापस करने पड़े थे।

क्या है कास्ट डाटा बुक

कष्ट डाटा बुक में बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं से जो बिजली के अलग-अलग मद का शुल्क लिया जाता है उसका उल्लेख होता है। इससे अतिरिक्त बिजली विभाग नहीं ले सकता। यह कास्ट डाटा बुक विद्युत नियामक आयोग द्वारा अभियंताओं व उपभोक्ताओं की आपत्तियां सुनने के बाद तैयार की जाती है। उसके आधार पर ही पूरे उत्तर प्रदेश में उपभोक्ताओं से हर मद का शुल्क लेने का नियम है।

जनपद में कहीं भी किसी भी प्रकार की डीज़ल अथवा पेट्रोल की कोई समस्या अथवा शार्टेज नहीं - एडीएम

जनपद में डीजल एवं पेट्रोल की सप्लाई सामान्य है

रायबरेली:- अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ ने बताया है कि जनपद में कहीं भी किसी भी प्रकार की डीज़ल अथवा पेट्रोल की कोई समस्या अथवा शार्टेज नहीं है । पूर्व की भांति जनपद में डीजल एवं पेट्रोल की सप्लाई सामान्य है , डिपो के अधिकारियों से वार्ता की गई है, कहीं कोई समस्या नहीं है । यदि किसी पम्प संचालक अथवा उसके स्टाफ़ द्वारा कोई भ्रामक सूचना प्रसारित की जाती है तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

महिला सशक्तिकरण में नारी की भूमिका महत्वपूर्ण: अमित यादव

स्वतंत्र प्रभात

रायबरेली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विकास अधिकारी अमित यादव के नेतृत्व में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में किरण शुक्ला (सेवानिवृत्त प्राचार्य), साधना शर्मा (प्रधानाध्यापिका), दीपमाला तिवारी (भाजपा महिला उपाध्यक्ष), पुष्पा यादव (सभासद), रचना प्रियदर्शी (विकास अधिकारी) सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए किरण शुक्ला और साधना शर्मा ने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, उनका दुरुपयोग न करने तथा बच्चों की शिक्षा और संस्कारों पर विशेष ध्यान देने की बात कही। इस अवसर पर अमित यादव ने कहा कि जब एक नारी शिक्षित होती है तो वह एक परिवार को मजबूत बनाती है, लेकिन जब एक नारी सशक्त होती है तो वह पूरे समाज को सशक्त करने का कार्य करती है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए मनोरंजक खेलों का आयोजन भी किया गया एवं सभी महिलाओं को सम्मानित किया गया।

जनपद सीतापुर की दो बेटियां 'राष्ट्रीय नारी रत्न सम्मान 2026' से सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर देश की राजधानी नई दिल्ली केसाई गार्डन में आयोजित एक भव्य राष्ट्रीय समारोह में जनपद सीतापुर की दो प्रतिभाशाली महिलाओं– पिंकी अरविंद प्रजापति और नीतू वर्मा– को 'राष्ट्रीय नारी रत्न सम्मान 2026 'से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

समारोह का आयोजन बाल युवा नारी जागृति मंच द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में किया गया था, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से चयनित महिलाओं को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर यह प्रतिष्ठित सम्मान रविंदर इंद्रराज सिंह (कैबिनेट मंत्री, दिल्ली सरकार) के करकमलों से प्रदान किया गया।

तहसील सिधौली क्षेत्र के टड़ई गांव की निवासी पिंकी अरविंद प्रजापति महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सेवा और साहित्यिक चेतना के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वे पहल फाउंडेशन

की संयुक्त सचिव के रूप में समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ निःशुल्क सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण केंद्र संचालित कर 100 से अधिक महिलाओं को रोजगार के योग्य बनाया है। इसके अलावा वे गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की शिक्षा में सहायता कर समाज सेवा का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ वे साहित्यिक मंचों पर कविता पाठ के माध्यम से सामाजिक चेतना का संदेश भी देती हैं। वहीं सिधौली क्षेत्र के असेनिया गांव की निवासी नीतू वर्मा को शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। साधारण किसान परिवार में जन्मी नीतू वर्मा ने कठिन परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त कर अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने शिक्षाविद् क्र डी. वर्मा द्वारा संचालित स्वामी विवेकानन्द सामाजिक सेवा संस्थान से निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की और अपने परिश्रम के बल पर आज ग्राम पंचायत अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं।

नीतू वर्मा आज उसी संस्थान से जुड़कर आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रही हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को सहयोग प्रदान करती हैं। इसके साथ ही वे समय-समय पर रक्तदान कर जरूरतमंदों की सहायता भी करती रही हैं, जिसके कारण उन्हें 'रक्त वीरांगना' के रूप में भी जाना जाता है। जनपद सीतापुर की इन दोनों बेटियों को राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान पूरे जिले और सिधौली क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उनकी उपलब्धियाँ यह संदेश देती हैं कि समर्पण, सेवा भावना और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य किया जाए तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। यह सम्मान निश्चित रूप से क्षेत्र की अन्य महिलाओं और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत।

मिश्रिख नैमिषारण्य होली परिक्रमा मेला महोत्सव का भव्य शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात

मिश्रिख, सीतापुर। विश्व प्रसिद्ध नैमिषारण्य क्षेत्र में आयोजित होली परिक्रमा मेला महोत्सव का रविवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, सेवता विधायक ज्ञान तिवारी, मिश्रिख विधायक रामकृष्ण भार्गव, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल, नगर पालिका अध्यक्ष सीमा भार्गव, जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर तथा पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने विधिवत पूजन-अर्चन और दीप प्रज्वलित कर किया। शुभारंभ अवसर पर पूजन-अर्चन की विधि तीर्थ पुरोहित राहुल शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराई।

महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आशा बहुओं को सम्मानित भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बीमारियों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए जादूगर के माध्यम से रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसे लोगों ने काफी सराहा।

कार्यक्रम में आशा बहुएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ती, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। मेला परिसर में स्वयं सहायता समूह, कृषि विभाग, वन विभाग और स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए। इसके अलावा जिला कारागार में बंद बंदियों द्वारा बनाए गए मिट्टी के बर्तन, अचार और सब्जियों की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र बनी रही। प्रभारी मंत्री सहित सभी अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रतिभागियों की सराहना की। बताया गया कि मिश्रिख महोत्सव का आयोजन तीन दिनों तक चलेगा। इस दौरान देश के जाने-माने भजन गायक, फिल्मी कलाकार तथा कवि अपनी प्रस्तुतियां देंगे, जिससे श्रद्धालुओं और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन होगा।

यूपी में कोई भी बच्चा न रहेगा पढ़ाई से वंचित, 'स्कूल चलो अभियान' होगा अधिक व्यापक

- अब तो कक्षा बदलने वाले बच्चों पर भी रहेगी नजर

अभियान को अप्रैल से व्यापक तरीके से संचालित करने का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोई भी बच्चा पढ़ाई से वंचित न रहे, इसके लिए इस बार 'स्कूल चलो अभियान' को और अधिक व्यापक रूप से चलाने की तैयारी की जा रही है। बेसिक और माध्यमिक शिक्षा के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने अधिकारियों और शिक्षकों को निर्देश दिए हैं कि अप्रैल से शुरू होने वाले अभियान में सिर्फ नए बच्चों के नामांकन पर ही नहीं, बल्कि कक्षा बदलने वाले विद्यार्थियों की पढ़ाई भी सुनिश्चित की जाए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उन्होंने अधिकारियों और शिक्षकों से संकल्प लेने को कहा कि प्रदेश का कोई भी बालक या बालिका शिक्षा से बाहर न रहे। अभियान के दौरान यह भी पता लगाया जाए कि पांचवीं कक्षा पास करने वाले बच्चे छठी में प्रवेश ले रहे हैं या नहीं, आठवीं के बाद उनका दाखिला नौवीं में हो रहा है या नहीं और 12वीं के बाद छात्र आगे की पढ़ाई जारी रख रहे हैं या नहीं।

कई बार छात्र एक कक्षा पास करने के बाद अगली कक्षा में प्रवेश नहीं लेते, जिससे उनकी पढ़ाई बीच में ही छूट जाती है। ऐसे बच्चों की पहचान कर उन्हें दोबारा विद्यालय से जोड़ा जाएगा। इसके लिए बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के बीच बेहतर समन्वय भी सुनिश्चित किया जाएगा।

अभियान के तहत शिक्षकों और स्कूल प्रशासन को अपने-अपने क्षेत्रों में सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अप्रैल से हर बच्चा नियमित रूप से स्कूल पहुंचे। विभाग उम्मीद है कि इस पहल से प्रदेश में ड्रापआउट दर कम होगी। साथ ही प्राथमिक से लेकर माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर तक विद्यार्थियों की पढ़ाई का क्रम बना रहेगा। इससे विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और अधिक छात्र उच्च शिक्षा की ओर आगे बढ़ सकेंगे।

माध्यमिक स्तर पर ड्रापआउट चिंताजनक

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अनुसार प्रदेश में प्राथमिक स्तर (कक्षा पहली से पांचवीं) पर नामांकन दर 90.9 प्रतिशत है, जबकि ड्रापआउट दर करीब 1.9 प्रतिशत है। उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा छठी से आठवीं) पर नामांकन दर 90.3 प्रतिशत है। ड्रापआउट दर 5.2 प्रतिशत दर्ज की गई है। सबसे अधिक चिंता माध्यमिक स्तर पर है।

कक्षा आठवीं के बाद नामांकन दर घटकर 78.7 प्रतिशत रह जाती है और आगे माध्यमिक स्तर (नौवीं से 12वीं) पर यह 58.4 प्रतिशत तक रही। माध्यमिक स्तर पर ड्रापआउट दर 14.1 प्रतिशत है। विशेषज्ञों के अनुसार, आठवीं के बाद कई छात्र घरेलू आय में मदद के लिए पढ़ाई छोड़ देते हैं। ऐसे छात्रों को ध्यान में रखते हुए माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई के साथ कौशल विकास से जुड़े रोजगारपरक कोर्स भी शुरू किए जा रहे हैं, ताकि वे पढ़ाई के साथ अपने कौशल को बढ़ाकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें।

संक्षिप्त खबरें

कतर के बाद जॉर्डन में अमेरिका को हजारों करोड़ का नुकसान; मिसाइल डिफेंस सिस्टम को झटका

ब्यूरो प्रयागराज। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव को देखते हुए सवाल ये उठ रहा है कि क्या ईरान पश्चिम एशिया में सैन्य ठिकानों पर हमले करके अमेरिका की कमर तोड़ रहा है? ये सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि बीते सात दिनों के टकराव में ईरान ने अमेरिका को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया है। युद्ध की विभीषिका में एक तरफ अब तक 1400 से अधिक लोगों ने जान गंवाई है, तो दूसरी तरफ ईरान ने कतर और जॉर्डन जैसे पश्चिमी एशियाई देशों में हजारों करोड़ की लागत से बनाई गई अमेरिकी प्रणाली को नेस्तनाबूद कर दिया है।

ईरान के हमलों से जुड़ी रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले के जवाब में किए गए पलटवार की सबसे ताजा घटना जॉर्डन में की गई स्ट्राइक है, जहां थाड रडार सिस्टम को नष्ट करने का दावा किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक थाड रडार सिस्टम की लागत करीब 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 22 हजार करोड़ रुपये है। इस संबंध में आई खबरों के मुताबिक ईरान की तरफ से जॉर्डन के मुवफ्फाक साल्टी हवाई अड्डे पर हमला किया गया। इस स्ट्राइक में अमेरिका की हजारों करोड़ की प्रणाली नष्ट हो गई।

ट्रेन में आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज पर धारदार हथियार से हमला, ट्रेन के टॉयलेट में छिपकर बचाई जान

ब्यूरो प्रयागराज। कौशांबी के सिराथू रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज पर जानलेवा हमला हुआ है. आरोप है कि धारदार हथियार से उनकी नाक पर वार किया गया है. उनके शरीर के कई हिस्सों पर गहरे घाव हो गए है. ब्रह्मचारी महाराज ने ट्रेन के बाथरूम में खुद को बंदकर अपनी जान बचाई. प्रयागराज पहुंचने के बाद उन्होंने राजकीय रेलवे पुलिस से मामले की लिखित शिकायत की. जीआरपी मामले की जांच में जुटी है।

आशुतोष ब्रह्मचारी के मुताबिक घटना सिराथू रेलवे स्टेशन के पास की है. शंकराचार्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज दिल्ली से प्रयागराज जा रहे थे. आशुतोष ब्रह्मचारी के मुताबिक जैसे हो ट्रेन सिराथू रेलवे स्टेशन के पास पहुचने वाली थी कि अचानक एक युवक ने धारदार हथियार से उनके ऊपर हमला कर दिया.इसके बाद उन्होंने किसी तरह खुद को ट्रेन के शौचालय में खुद को बंद कर अपनी जान बचाई। आशुतोष ब्रह्मचारी ने आरोप लगाया है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, मुकुंदानन्द समेत अन्य ने उनकी नाक काटने की योजना बनाई थी. इसके लिए टीवी चैनल पर 21 लाख रुपए देने की घोषणा भी की गई थी. उन्होंने आरोप लगाया कि अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, मुकुंदानंद और मथुरा के रहने वाले दिनेश शर्मा ने इस वारदात को अंजाम दिया है।

ट्रेन के टीटीई मुश्ताक ने बताया कि अटेंडेंस द्वारा सूचना दी गई की द्ध1 कोच में यह घटना हो गई है. हम लोग पहुंचे तो वहां परआशुतोष जी महाराज की नाक से खून बह रहा था. तत्काल जीआरपी को सूचना दी गई. जीआरपी ने तत्काल पूरे कोच की छानबीन की लेकिन कोई नहीं मिला. प्रयागराज पहुंचने पर जीआरपी ने उनका मेडिकल कराया. उनसे तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज किया।आशुतोष ब्रह्मचारी ने इस पूरे मामले की शिकायत प्रयागराज पहुंचने के बाद वहां की राजकीय रेलवे पुलिस से की है. उन्होंने मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए. जीआरपी पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. वहीं, प्रयागराज जीआरपी इंस्पेक्टर अकेलेश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है. मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र के निर्माता होते है- विधायक राजमणि कोल

● भाजपा बड़ोखर मंडल की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोराव (प्रयागराज)। भारतीय जनता पार्टी बड़ोखर मंडल शारदा कान्वेंट स्कूल बड़ोखर में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 की दो दिवसीय कार्यशाला रविवार को समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में पार्टी के वक्ताओं ने संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन, सोशल मीडिया तथा सरकार की उपलब्धियों पर कार्यकर्ताओं को विस्तृत प्रशिक्षण दिया। द्वितीय दिवस के चौथे सत्र में जिला उपाध्यक्ष राजेश्वरी तिवारी ने संगठन विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन का विस्तार केवल सत्ता प्राप्ति के लिए नहीं, बल्कि समाज में राष्ट्रचेतना जागृत करने के लिए किया जाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच बनाकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

पांचवें सत्र में भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बूथ प्रबंधन एवं 'मन की बात' कार्यक्रम पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि बूथ समितियों में सभी वर्गों का समावेश, निरंतर संवाद, सम्पर्क प्रवास और नियमित बैठकें ही 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' अभियान की आधारशिला हैं। उन्होंने बताया कि यदि बूथ स्तर पर नियमित अवलोकन और विश्लेषण के साथ कार्य किया जाए तो संगठन की मजबूती सुनिश्चित होती है। उन्होंने बूथ पर आयोजित होने वाले छह प्रमुख कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुनने की संगठनात्मक रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

छठे सत्र में पूर्व जिला मंत्री अनिल मिश्र ने सोशल मीडिया, नमो ऐप, सरल ऐप तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग के बारे में कार्यकर्ताओं को बिंदुवार जानकारी दी और डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग पर बल दिया।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए कोरांव विधायक राजमणि कोल ने कहा कि

भाजपा का कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारें उद्योगों के नाम पर केवल ऋण देकर संस्थाओं को बंद होने की स्थिति में छोड़ देती थीं, जबकि वर्ष 2017 के बाद भाजपा सरकार ने देश-विदेश से उद्योगों को लाकर युवाओं को रोजगार देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना के साथ बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा किसानों-नौजवानों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। साथ ही सरकारी नौकरियों के साथ व्यापार और उद्योग के लिए निःशुल्क ऋण योजनाओं के माध्यम से रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता प्रांतीय परिषद सदस्य रामअवध कुशवाहा ने की, जबकि स्वागत एवं आभार मंडल अध्यक्ष रामराज सिंह पटेल ने व्यक्त किया। जमुना प्रसाद मिश्र, पवन कुमार पटेल, सूर्यवली पांडेय, अमरेन्द्र कुशवाहा आदि ने अलग- अलग सत्रो की अध्यक्षता की 24 घंटे के प्रशिक्षण कार्यशाला में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तम नगर हत्याकांड के आरोपियों पर दिल्ली सरकार की कठोर कार्यवाही सराहनीय- विश्व हिन्दू परिषद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली: उत्तम नगर में निर्दोष युवक तरुण की घेर कर की गई निर्मम हत्या के मामले में दिल्ली सरकार द्वारा शुरू की गई कठोर कार्यवाही का विश्व हिन्दू परिषद, इंद्रप्रस्थ प्रांत ने स्वागत किया है विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत मंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता ने कहा कि इस जघन्य घटना से समाज में गहरा आक्रोश और पीड़ा व्याप्त थी। ऐसे समय में दिल्ली सरकार द्वारा अपराधियों के विरुद्ध त्वरित और सख्त कदम उठाना सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति तथा कानून व्यवस्था के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।उन्होंने कहा कि आरोपियों के अवैध निर्माणों पर पी डब्ल्यू डी एवं एमसीडी द्वारा बुलडोजर कार्यवाही प्रारंभ किया जाना यह स्पष्ट संदेश देता है कि दिल्ली में अपराध और हिंसा को किसी भी परिस्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। इस प्रकार की निर्णायक कार्यवाही से भविष्य में अपराधियों और असामाजिक तत्वों के मन में कानून का भय स्थापित होगा।

विश्व हिन्दू परिषद ने यह भी मांग की है कि इस जघन्य अपराध में शामिल आरोपियों को मिलने वाले सभी प्रकार के सरकारी अनुदान और सुविधाओं को तत्काल समाप्त करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ की जानी चाहिए, ताकि अपराधियों को किसी भी प्रकार का संरक्षण न मिले।

सुरेन्द्र कुमार गुप्ता ने कहा कि इस घटना से पीड़ित परिवार अत्यंत दुख और आघात की स्थिति में है। दिल्ली सरकार को चाहिए कि पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक सहायता और आवश्यक सरकारी सहयोग प्रदान किया जाए, जिससे उन्हें कुछ राहत और संबल मिल सके विश्व हिन्दू परिषद, इंद्रप्रस्थ प्रांत इस मामले में दिल्ली सरकार द्वारा की जा रही कठोर और निर्णायक कार्यवाही का समर्थन करता है तथा अपेक्षा करता है कि दोषियों को शीघ्र और कठोर दंड मिले, जिससे समाज में न्याय और कानून के प्रति विश्वास और मजबूत हो।

रंगपंचमी पर परशुराम मंदिर में ब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महरौनी। रंगपंचमी के पावन अवसर पर ब्राह्मण समाजोत्थान सेवा संस्थान के तत्वावधान में ब्राह्मण महामंडल, महरौनी विधानसभा क्षेत्र का होली मिलन समारोह रविवार को कस्बा महरौनी के मड़ावरा रोड स्थित पंडा कॉलोनी में भगवान परशुराम मंदिर प्रांगण में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संगठन अध्यक्ष पं. रामविलास कटारे एवं संरक्षक पं. लालाराम बाजपेई द्वारा भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण व चरणों में गुलाल अर्पित कर किया गया। इसके बाद सभी पदाधिकारियों एवं विप्र बंधुओं ने परस्पर गुलाल लगाकर होली एवं रंगपंचमी की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संगठन अध्यक्ष रामविलास कटारे ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में यूजीसी कानून जैसे निर्णयों से सवर्ण समाज के हित प्रभावित हो रहे हैं। वहीं संरक्षक पं. लालाराम बाजपेई ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर सवर्ण महासभा के प्रदर्शन के दौरान की गई कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि समाज के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में लालाराम बाजपेई, रामविलास कटारे, रामेश्वर प्रसाद रिछारिया, पुरुषोत्तम नारायण तिवारी, श्रीप्रकाश दीक्षित, जगदीश पंडा, श्रीराम विदुआ, कमलेश पंडा, रामकुमार नायक, संतोष पंडा, अवध बिहारी पटेरिया, शिवप्रकाश राजोरिया, पुजारी रामगोपाल तिवारी, कैलाश नारायण तिवारी, रामजी द्विवेदी, अभय दुबे, शैलेन्द्र नायक, युवा अध्यक्ष अजय पाण्डेय, जगतनारायण पटेरिया, सत्यनारायण चाचोदिया, भारत कौशिक, अवधेश नायक, सूर्यकांत त्रिपाठी, प्रभाकर मिश्रा, शैलेश तिवारी, राजीव लिटोरिया, गौरव रावत सहित महरौनी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से आए अनेक स माननीय विप्र बंधु उपस्थित रहे।

जीवन में पाप दुखदाई इनको छोडे बगैर कल्याण नहीं- मुनि सुधासागर

● समोवशरण में हुई मुनि श्री की दिव्यदेशना, प्रतिमाओं में हुए सूर्यमंत्र के संस्कार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में ज्ञान कल्याण पर निर्यापक श्रमण मुनि सुधासागर महाराज ने तीर्थंकर आदिनाथ इस युग के धर्म तीर्थ प्रवर्तक और राजा श्रेयांस दान तीर्थ प्रवर्तक बताते हुए कहा महान आत्माए दूसरों का कल्याण किए बिना अपना कल्याण नहीं करती। जब हम बुरे निमित्त से प्रभावित होगे बुरा होगा संसार बुरा नहीं है। हर व्यक्ति तु हारे साथ बुरा कर रहा लेकिन घबराना नहीं अगर संसार के भय से डर रहे हो तो गलत है। मुनि श्री ने स्त्रियों की वेषभूषा पर व्यंग करते हुए कहा वह भेष धारण मत करो जिससे दुनिया के परिणाम बिगड़ें। मुनि श्री ने आहार दान के प्रसंग में बताया आज ज्ञान कल्याणक का वह दिन है मुनिराज आदि सागर ने मुनि दीक्षा के छह माह वाद आहारग्रहण किया उस समय श्रावक मुनिराज की आहार विधि भी नहीं जानते थे। उन्होंने श्रावको को प्रेरित किया कि दुर्व्यसन गुटका आदि का त्याग कर जीवन को संयमी बनाए।

इसके पूर्व प्रातःकाल श्री जी का अभिषेक शान्तिधारा के उपरान्त ज्ञान कल्याणक की पूजन हुई इसके उपरांत प्रतिष्ठाचार्य बालब्रहमवारी प्रदीप भैया सुयश ने मुनिराज आदिसागर की आहारचर्या की विधि स पन्न कराई। मध्यान्ह में श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में अयोध्यापुरी में सवशरण की रचना हुई जिसका लोकार्पण पुण्यांजक परिवार ने किया समोवशरण में विराजित देव शास्त्र गुरु की पूजन करने वैमानिक, कल्पवासी, व्यंतर, भवनवासी देवगण पहुंचे जिन्होने समोवशरण में अपनी मनोकामना की पूर्ति की भावना से पूजन उपस्थित इन्द्र इन्द्राणियों के साथ की। इस मौके पर समोवशरण से निर्यापक श्रवण मुनि सुधासागर महाराज ने संसार को नश्वर बताते हुए कहा सारी दुनिया को समझो जीवन अर्थ के अभाव में अनर्थ हो रहा है वह भूल जाता है कि उसका प्रयोजन करने से कितना अनर्थ हो जाता है। भक्त की भक्ति भगवान बनने की रहती है लेकिन इसका दुरूपयोग करके वह सर्वनाश कर लेता है। उन्होने कहा मोक्ष मार्ग के लिए कर्मो का क्षय कर मुनिव्रत पालन करना है लेकिन अर्थ किया के अभाव में भटक जाता है और प्रयोजन का स्वरूप भूल जाता है। महाराज श्री ने कहा जैन दर्शन जीवन में जोडने की शिक्षा देता है काटने की नहीं भगवान आदिनाथ ने असि कृषि और मसी की शिक्षा देकर श्रावक के छह आवश्यक बताए और कहा पाप दुखदाई है परिग्रह युक्त हैं इनको छोड़े वगैर पुण्य नही

होगा। उन्होने पंचकल्याणक से सीख लेते हुए जीवन को संस्कारित बनाने की प्रेरणा दी।

सायंकाल सायंकाल जिज्ञासा समाधान के दौरान मुनि श्री ने आवको द्वारा की गई जिज्ञासाओं का स यक समाधान किया। आचार्य भक्ति जिज्ञासा समाधान के उपरान्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मंचन सत्येन्द्र शर्मा एण्ड पार्टी दिल्ली के कलाकारों द्वारा प्रस्तुति की गई। मुनिराज आदिकुमार के आहार के उपलक्ष्य में सानत इन्द्र आनद जैन साइकिल परिवार द्वारा इच्छुरस वित्तरित किया गया। आयोजन की व्यवस्थाओं को सतोदय तीर्थ सेरोन अध्यक्ष सतीश जैन वंटी, महामंत्री सिंघई मनोज जैन, कोषाध्यक्ष विजय जैन लागौन, अरविन्द जैन बरोदा, अजय जैन जखौरा, आनंद जैन साइकिल, नीतेश विलौआ, अमितेश जैन, मुकेश जैन नेता, राजेन्द्र मिठ्या, श्रयांस जैन गदयाना, अरूण जैन, अजय जैन, अभय जैन, अमित जैन, प्रदीप जैन, अवध किशोर जैन के अतिरिक्त जैन पंचायत के अध्यक्ष डा0 अक्षय टडया, महामंत्री आकाश जैन, संयोजक सनत खजुरिया समेत पूरी टीम द्वारा संयोजित की जा रही हैं।

भगवान का मोक्षकल्याणक एवं गजस्थ परिक्रमा आज

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में आज मार्च नैमेत्तिक अभिषेक पूजन के उपरान्त प्रात्तः 7.29 बजे भगवान आदिनाथ को कैलाश पर्वत से मोक्ष गमन तत्पश्चात अग्निकुमार देवों का आगमन, प्रभु के नख केश का विसर्जन मुनि श्री के मांगलिक प्रवचनों के उपरान्त मोक्षकल्यणक पूजन एवं विश्वशान्ति हवन होगा। उक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी अक्षय अलया ने बताया कि दोपहर 12-30 बजे गजरथ परिक्रमा मुनि श्री के प्रवचन तदुपरान्त सायंकाल 6 बजे आचार्य भक्ति जिज्ञासा समाधान।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल में विशेष आयोजनं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 08 मार्च 2026 को उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में महिला सशक्तिकरण को समर्पित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह आयोजन मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज रजनीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इसी क्रम के तहत ट्रेन संख्या 22308 (बीकानेर-हावड़ा एक्सप्रेस) का संचालन टूंडला जंक्शन से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन तक महिला स्टाफ द्वारा किया गया, जो भारतीय रेल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी एवं उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। ट्रेन संचालन के दौरान विभिन्न खंडों में महिला क्रू द्वारा जिम्मेदारी निभाई गई। टूंडला से कानपुर सेंट्रल तक लोको पायलट के रूप में सुश्री अर्चना कुमारी (मुख्यालय-टूंडला) ने ट्रेन का संचालन किया। वहीं ट्रेन मैनेजर के रूप में सुश्री ज्योत्स्ना शुक्ला (मुख्यालय-टूंडला) ने टूंडला से कानपुर सेंट्रल तक अपनी सेवाएं दीं। इसके पश्चात कानपुर सेंट्रल से प्रयागराज जंक्शन तक सुश्री उपासना कुमारी, सुश्री काजल कुमारी तथा ट्रेन मैनेजर सुश्री आयशा जायसवाल (सभी मुख्यालय-कानपुर सेंट्रल) द्वारा दायित्वों का निर्वहन किया गया। आगे प्रयागराज जंक्शन से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन तक सुश्री ममता यादव, सुश्री शेफाली श्रीवास्तव तथा ट्रेन मैनेजर सुश्री श्नेहलता (सभी मुख्यालय-प्रयागराज) ने दायित्व संभाला।

महिला कर्मचारियों ने पूर्ण समर्पण, दक्षता एवं जिम्मेदारी के साथ ट्रेन का संचालन

किया, जो महिला सशक्तिकरण का प्रेरणादायक उदाहरण है और यह दर्शाता है कि महिलाएं रेल संचालन को सुरक्षित, सुचारु एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इसी अवसर पर प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन पर भी महिला कर्मचारियों के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिचालन, वाणिज्य, आरपीएफ तथा स्वच्छता विभाग सहित विभिन्न विभागों में कार्यरत महिला कर्मियों को उनके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्टेशन निदेशक श्री वी.के. द्विवेदी ने महिला कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महिला कर्मचारी परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ रेलवे के महत्वपूर्ण कार्यों को भी सुचारू, सुरक्षित एवं दक्षतापूर्वक संचालित कर रही हैं, जो अत्यंत सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान स्टेशन अधीक्षक, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक तथा वाणिज्य निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने महिला कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। इन आयोजनों का उद्देश्य महिला कर्मचारियों के योगदान को सम्मानित करना तथा उन्हें भविष्य में भी पूरे उत्साह, आत्मविश्वास एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करना रहा।

मालवीय नगर में फिर नॉर्थ ईस्ट की छात्राओं से अभद्रता, नस्लीय कमेंट के बाद की मारपीट; अस्पताल में भर्ती

दक्षिणी दिल्ली। एक पखवाड़े के भीतर मालवीय नगर में ही नॉर्थ ईस्ट की छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार का दूसरा मामला सामने आया है। इस बार छात्राओं पर नस्लीय टिप्पणी करने के साथ ही उन पर हमला भी किया गया। दो छात्राओं में से एक घायल हो गई, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। लगातार हो रही घटनाओं को लेकर उत्तर पूर्वी समुदाय से जुड़े संगठनों ने चिंता जताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस पीड़िताओं के संपर्क में है। जल्द उनके बयान दर्ज कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई होगी।दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान के मुताबिक रविवार शाम के समय साकेत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कांप्लेक्स स्थित एक पार्क में मणिपुर की एक लड़की अपनी दोस्त के साथ टहल रही थी। तभी कुछ अराजक तत्वों ने उन पर कुछ कमेंट्स किए। जब लड़कियों में से एक ने कमेंट्स पर एतराज किया तो दोनों पक्षों में बहस होने लगी। आरोप है कि युवकों ने इस दौरान छात्रा पर हमला कर दिया। घायल लड़की को मेडिकल जांच और इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक वह ठीक है और उसे मामूली चोट आई है। पुलिस टीम पीड़िता से लगातार संपर्क में है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात हो कि 20 फरवरी को भी मालवीय नगर में ही अरुणाचल प्रदेश की तीन युवतियों के साथ दंपती ने विवाद किया और उन पर नस्लीय टिप्पणी की थी।

सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने आयोजित किया होली मिलन समारोह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड उत्तर मध्य रेल ने केंद्रीय चिकित्सालय उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के कमेटी हॉल में प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. राकेश निगम के मुख्य आतिथ्य मे होली मिलन समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी अधिकारी और सदस्यों ने एक दूसरे को अबीर एवं गुलाल लगाकर होली मिलन कार्यक्रम को सफल बनाया द्य कार्यक्रम का आयोजन डॉक्टर सुरेंद्रनाथ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं उपायुक्त सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज की प्रेरणा से आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में चिकित्सा निदेशक डॉ. एस .के. हंडू , डॉ. प्रकाश मुर्मू अपर मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. एस.एस.नायक

अपर मुख्य स्वास्थ्य निदेशक तथा डॉ.संजय कुमार वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी एवं डॉ अमित मालवीय वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मंच का संचालन एंबुलेंस अधिकारी राजीव सिंह एवं उदय चंद मौर्य ने किया तथा डिवीजन कमांडर मेडिकल डा एस एस नायक द्वारा सभी अधिकारियों एवं सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में मंडल सचिव आलोक कुमार वर्मा एवं अनूप कुमार श्रीवास्तव तथा एंबुलेंस अधिकारी रतन कुमार एवं कारपोराल अमित कुमार मौर्य, ओम प्रकाश, चंद्र प्रकाश, पवन कुमार , पवन कुमार तथा सर्जेन्ट दु.खती प्रसाद ,विजय प्रकाश राम ,मनबोध चौरसिया एवं सदस्य राम सजीवन पटेल, महेश कुमार का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर सभी सेवा निवृत एंबुलेंस अधिकारी भी उपस्थित रहे।

योगी मंत्रिमंडल विस्तार, हो सकती है कई मंत्रियों की छुट्टी और नए चेहरों को मौका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि Yogi Adityanath के नेतृत्व वाली सरकार में जल्द ही बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। पिछले लगभग छह महीनों से समय-समय पर मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें सामने आती रही हैं, लेकिन अब सूत्रों का कहना है कि इंतजार की घड़ियां जल्द खत्म हो सकती हैं और सरकार बड़े बदलाव के साथ अपने मंत्रिमंडल का पुनर्गठन कर सकती है।

सूत्रों के अनुसार यह विस्तार केवल औपचारिक बदलाव नहीं होगा, बल्कि इसमें कई पुराने मंत्रियों की विदाई और नए चेहरों की एंट्री देखने को मिल सकती है। माना जा रहा है कि सरकार इस फेरबदल के जरिए आगामी राजनीतिक चुनौतियों और चुनावी समीकरणों को साधने की कोशिश करेगी। विशेष रूप से 2027 के विधानसभा

चुनावों को ध्यान में रखते हुए यह विस्तार काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि इस विस्तार में कुछ वरिष्ठ मंत्रियों को संगठन में भेजा जा सकता है, जबकि संगठन में सक्रिय कुछ नेताओं को सरकार में जिम्मेदारी दी जा सकती है। इस तरह सरकार और संगठन के बीच संतुलन बनाने की रणनीति पर काम चल रहा है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि इससे प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर नई ऊर्जा आएगी। हाल ही में पंकज चौधरी की उत्तर प्रदेश इकाई का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के बाद से ही मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं तेज हो गई थीं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संगठन में इस बदलाव के बाद सरकार में भी बड़े स्तर पर परिवर्तन की संभावना स्वाभाविक रूप से बढ़ गई है।

भाजपा के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, मंत्रिमंडल में शामिल कुछ मंत्रियों के प्रदर्शन की समीक्षा की गई है। इसी के आधार पर करीब 10 से 12 मंत्रियों को बदले जाने की चर्चा है। जिन मंत्रियों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं माना गया है, उन्हें हटाकर नए और सक्रिय चेहरों को मौका दिया जा सकता है।